राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक, जय हे
भारत-भाग्य विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन-गण-मंगल दायक जय हे
भारत-भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।

सत्र 2020-2021

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद

निःशुल्क वितरण हेतु

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रदेश

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

सहज-1

कक्षा-1

मुझे पढ़ना पसन्द है।

सहज–1

कक्षा–1

संरक्षण : **श्रीमती रेणुका कुमार,** आई.ए.एस
अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा)
उ.प्र. शासन, लखनऊ

निर्देशन **श्री विजय किरन आनन्द,** आई.ए.एस
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र.

संकल्पना एवं मार्गदर्शन : **श्री सत्येन्द्र कुमार,** आई.ए.एस.
अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र.

श्री सर्वेन्द्र विक्रम सिंह
निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ

समन्वयन : **श्री आनन्द पाण्डेय,** वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, समग्र शिक्षा
श्रीमती शिखा शुक्ला, विशेषज्ञ, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, समग्र शिक्षा
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, समग्र शिक्षा

परामर्श : **श्री अजय कुमार सिंह,** राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ
श्रीमती दीपा तिवारी, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ

समीक्षा एवं संपादन : **श्री पी. एम. अन्सारी,** राज्य सलाहकार, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, समग्र शिक्षा
श्री रमेश चंद्र, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली

लेखन मंडल : डॉ दिलीप कुमार तिवारी (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जुगराजपुर, कौशाम्बी, एवं SRG कौशाम्बी जनपद), कृष्ण मुरारी उपाध्याय (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय पठा, महरौनी, ललितपुर) योगेन्द्र सिंह (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय सलारपुर, रामनगर, जौनपुर एवं ARP जौनपुर), रागिनी गुप्ता (प्रधानाध्यापिका, अभिनव प्रा0वि0 ककोरगहना, जौनपुर), सुशील कुमार उपाध्याय (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय चांदपुर, सिकरारा, जौनपुर एवं ARP जनपद जौनपुर) वन्दना गुप्ता (सहायक अध्यापिका, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्हौर, चिनहट, लखनऊ) श्रीप्रकाश सिंह (प्रधानाध्यापक, आदर्श प्राथमिक विद्यालय, मड़ियाहूँ प्रथम, रामनगर, जौनपुर एवं ARP जौनपुर) जय शेखर (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय धुसाह 1, बलरामपुर), जय प्रकाश सिंह (सहायक अध्यापक, पू.मा.वि खरगापुर, डीघ, भदोही) गजेन्द्र कुमार (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पूरेशम्भू, औराई, भदोही एवं ARP), सुप्रिया घोष (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली) सहदेव पंवार (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली)

ले–आउट एवं ग्राफिक्स डिज़ाइन : प्रेमचन्द सैनी (ग्राफिक डिजाईनर), जयपुर, राजस्थान

चित्रांकन : सुशांता दास, हीरा धुर्वे, पूजा साहू, सुबिनिता देशप्रभु, निलेश गहलोत, हबीब अली

आभारः इस पुस्तक के निर्माण में कई स्रोतों से सामग्रियों का उपयोग किया गया है, इसके लिए हम सभी के आभारी हैं।

योगी आदित्यनाथ
मुख्य मंत्री

उत्तर प्रदेश

संदेश

प्राचीन काल से शिक्षा भविष्य के समाज की धरोहर के रूप में जानी जाती है। भविष्य का समाज कैसा होगा? विकसित समाज की संकल्पना व स्वरूप का आधार तथा प्राथमिकता क्या होगी? इसे ही ध्यान में रखकर वर्तमान में शिक्षा पर निवेश होता है। "निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम–2009" (RTE Act–2009) के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना उत्तर प्रदेश शासन की संवैधानिक प्रतिबद्धता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संकल्पना को मूर्त रूप देने हेतु मिशन प्रेरणा कार्यक्रम का फ्रेमवर्क लागू किया गया है। विद्यालयों के भौतिक पूर्वाधार के सुदृढ़ीकरण हेतु 'ऑपरेशन कायाकल्प' शिक्षकों एवं पाठ्यचर्या को पोषित करने के लिए "आधारशिला, शिक्षण संग्रह तथा ध्यानाकर्षण" मॉड्यूल का विकास किया गया है। विद्यालय स्तर पर समाज की सहभागिता एवं जुड़ाव के लिए अनेक प्रयास जारी हैं। इन सभी क्रियाकलापों के उचित क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग के लिए प्रदेश से विद्यालय स्तर तक सपोर्टिव सुपरविजन का फ्रेमवर्क संचालित हो रहा है।

प्रस्तुत पठन पुस्तिका ''सहज–1, कक्षा–1'' के सभी बच्चों के पठन कौशल विकास के लिए रुचिपूर्ण एवं आकर्षक पाठ सामग्री सिद्ध होगी। इस उपयोगी पठन पुस्तिका से शिक्षक/शिक्षिकाएँ कक्षा के वातावरण को अधिगमपूर्ण एवं आनंददायक बनाने में सफल होंगे। इसी आशा एवं विश्वास के साथ सभी शिक्षकों/शिक्षिकाओं के प्रति अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

दूरभाष : 0522-2236181/2239296 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

डॉ सतीश चन्द्र द्विवेदी

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
बेसिक शिक्षा, उ. प्र. सरकार

संदेश

गीता के अनुसार "सा विद्या या विमुक्तये"

विद्या वही है जो बंधनों से मुक्त करे। स्वयं को व्यक्त कर पाना भी एक बंधन है जिस पर जीत प्राप्त करने में शिक्षा एक अहम भूमिका निभाती है।

शिक्षित मनुष्य ही उचित आचरण तकनीकी दक्षता और ज्ञान से समाज, राष्ट्र, विश्व की उन्नति और विकास में सहायक हो सकता है। शिक्षण में निर्धारित, लर्निंग आउटकम की संप्राप्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी को अग्रसारित करते हुए राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा अभियान, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा, मिशन प्रेरणा कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें शिक्षकों के लिए विस्तृत अत्यंत उपयोगी 3 हस्त पुस्तिकाओं आधारशिला, ध्यानाकर्षण और शिक्षण संग्रह का निर्माण किया गया।

शिक्षा को रुचिकर, आनंदमय, जीवंत और अपेक्षित ज्ञान व कौशलों से परिपूर्ण बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। जिसमें बच्चों के लिए उपलब्ध पठन सामग्री की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षा विभाग के सहयोग से मिशन प्रेरणा द्वारा पठन पुस्तिका ''सहज–1, कक्षा–1'' को, बच्चों में पढ़ने के कौशल को विकसित करने हेतु विकसित किया गया है जिसमें रुचिपूर्ण कहानियों, पहेलियों आदि का समावेश है जिससे सभी बच्चे लाभान्वित होंगे।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सहज–1 पठन पुस्तिका बच्चों के लिए एक रुचिपूर्ण पठन सामग्री सिद्ध होगी।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

डॉ0. सतीश चन्द्र द्विवेदी
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

आर. के. तिवारी, आई.ए.एस

मुख्य सचिव
उ. प्र. शासन, लखनऊ

संदेश

प्राथमिक स्तर पर हम बच्चों के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला रख सकते हैं। बच्चों में छिपी अनंत संभावनाओं और अंतर्निहित क्षमताओं को शिक्षक अपने उचित मार्गदर्शन से सींचता है जिसका लाभ पूरे समाज और राष्ट्र को मिलता है। शिक्षा ही वह सशक्त साधन है, जिसके माध्यम से हम एक सशक्त, अनुशासित एवं जागरूक समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के व्यक्तित्व विकास की नींव होती है जिसका प्रमुख आधार बच्चों की भाषा और साक्षरता कौशल को विकसित करना है ताकि बच्चे विद्यालय की सीखने–सिखाने की सभी प्रक्रियाओं में आत्मविश्वास के साथ प्रतिभाग कर सकें और कक्षावार अधिगम लक्ष्य को कुशलता पूर्वक प्राप्त कर सकें। बच्चों के लिए आधारभूत विषय हिंदी व गणित हैं, जो उनकी अकादमिक उपलब्धि का आधार है। अतः अधिकांशतः जागरूक और जिम्मेदार शिक्षाविद प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था का उद्देश्य निर्धारित करते हुए उसकी सम्प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध ढंग से क्रियाशील हैं।

बच्चों के समाजीकरण और सीखने की प्रक्रिया में कहानियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ''सहज–1, कक्षा–1'' पठन सामग्री तैयार की गई है, इसमें दी गई कहानियाँ और पढ़ने के विभिन्न स्तर के द्वारा, बच्चें, सरलता व सहजता के साथ निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे जिससे बच्चों का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

शुभकामनाओं के साथ...

आर. के. तिवारी

रेणुका कुमार, आई.ए.एस

अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा)
उ. प्र. शासन, लखनऊ

संदेश

सीखने सिखाने में हमेशा इस तरह की ऐसी ही रीतियों और नीतियों पर ज़ोर देने की बात कही जाती रही है जो बालक को केंद्र में मानकर व्यवहार में लाई जाती हैं। बालक उस कक्षा और उस विद्यालय से हमेशा जुड़ाव महसूस करता है जहां अध्यापक उस पर व्यक्तिगत रुप से ध्यान देते हैं उसके सीखने और उसकी आवश्यकता के अनुसार मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इस तरह का परिवेश बालक एवं बालिका को सीखना आसान बनाता है और प्रेरित करता है।

बच्चों के लिए उपलब्ध कराई गई इस पठन पुस्तिका ''सहज–1 कक्षा–1'' में रुचिकर कहानियाँ दी गयी हैं। इसमें केंद्रित कहानियाँ अपने आस–पास के माहौल को बेहतरीन रूप से समावेश करती हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह पठन पुस्तिका बच्चों के पठन कौशल को विकसित करने एवं उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

मेरी ओर से बहुत–बहुत शुभकामनाएं।

रेणुका कुमार

विजय किरन आनंद, आई.ए.एस

महानिदेशक
स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक
समग्र शिक्षा, उ. प्र.
लखनऊ

संदेश

वर्तमान परिदृश्य में मानव जीवन में शिक्षा माँ से शुरू होकर घर, परिवार, पड़ोस, मित्र एवं समाज से होते हुए औपचारिक रूप से विद्यालय में पहुंचती है। जिस प्रकार बीज में विशाल वृक्ष बनने की समस्त खूबियाँ विद्यमान होती हैं, उसी प्रकार बच्चों में भी उनकी अंतर्निहित शक्तियां विद्यमान होती हैं जिससे आच्छादित होकर वह विद्यालय में प्रवेश करता है।

विद्यालय का परिवेश, कक्षा का वातावरण, शिक्षक की प्रेरणा, पाठ्यपुस्तक का आकर्षण, समाज की सहभागिता तथा शिक्षा विभाग का संसाधन, यह सब मिलकर बच्चों का सर्वांगीण विकास करने को क्रियाशील रहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा "मिशन प्रेरणा कार्यक्रम" प्रारम्भ किया गया है। विभाग द्वारा विद्यालयी परिवेश एवं कक्षा के वातावरण संवर्धन के लिए "ऑपरेशन कायाकल्प" शिक्षकों एवं पाठ्यपुस्तकों के परिमार्जन हेतु "आधारशिला", "शिक्षण संग्रह" तथा "ध्यानाकर्षण" पुस्तिका विस्तृत रूप से रचित व प्रकाशित की गई है। समाज की सहभागिता के लिए विद्यालय स्तर पर विद्यालय प्रबंध समिति, अभिभावक समूह तथा माता समूह को सक्रिय किया गया है। इन सभी क्रियाकलापों की उचित देखरेख एवं परिमार्जन के लिए प्रदेश, मण्डल, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर "सपोर्टिव सुपरविजन" संचालित किया जा रहा है।

प्रस्तुत पुस्तिका ''सहज–1, कक्षा–1'' शिक्षा विभाग द्वारा पठन सामग्री के रूप में रुचिकर कहानियाँ और पहेलियाँ विशेषकर प्राथमिक स्तर की कक्षाओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। यह बच्चों को आनंददायक लगेगी और उनके पढ़ने सीखने को रुचिकर और सरल बनाएगी, जिसका परिणाम सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास के रूप में परिलक्षित होगा।

अतः हमें पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि यह ''सहज–1, कक्षा–1'' बच्चों के लिए आनंदमय एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

मंगल कामनाओं के साथ।

विजय किरन आनंद

सत्येन्द्र कुमार, आई.ए.एस

अपर राज्य परियोजना निदेशक
समग्र शिक्षा, उ. प्र.
लखनऊ

संदेश

शिक्षा देश व समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण साधन है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को गुणवत्तायुक्त बनाया जाये, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी विचारवान और जिम्मेदार नागरिक बन सके।

प्राथमिक स्तर पर भाषा एवं गणित की शिक्षा बच्चों की विकास प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण आधार है। इस कड़ी को प्रबल बनाने के साथ ही बच्चे के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य पूर्ण होता है। बच्चा पढ़कर उसका अर्थ ग्रहण करके अपने पूर्ण ज्ञात सन्दर्भों से जोड़ पता है, तो उसके द्वारा विज्ञान, सामाजिक विषय आदि विषयों की निर्धारित दक्षताएं समझ पाना बहुत सहज हो जाता है।

प्रस्तुत पठन पुस्तिका ''सहज–1, कक्षा–1'' का निर्माण शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों के लिए किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा सृजनशीलता, कौशल एवं समर्पण से जटिल विषयों को सहज एवं रोचक बनाने के लिए शैक्षिक प्रयत्न किये हैं जो इस पठन पुस्तिका के माध्यम से सभी के लिए जीवंत उदाहरण बन सकेंगे।

सत्येन्द्र कुमार

प्रेरणा सूची

विषय	दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1. ग्रेड 1 के स्तर की कहानियों और कविताओं का आदर्श वाचन होते हुए सुनकर समझ लेता/लेती है। 2. ग्रेड 1 के स्तर पर पाठ सुनकर घटनाओं और पात्रों के बारे में प्रत्यक्ष तौर पर स्मृति आधारित प्रश्नों के जवाब दे सकता/सकती है।
मौखिक शब्दावली	3. रोजमर्रा के परिवेश में सुने जाने वाले सरल क्रिया शब्दों, चीज़ों/जानवरों के नाम बता सकता/सकती है। (परिचित चित्र पहचान संज्ञाएँ व क्रिया शब्द)।
मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन	4. खुद के बारे में व साधारण स्थितियों के बारे में घर की भाषा में बात करते हैं। 5. वस्तुओं का वर्णन करते हैं किसी चित्र के बारे में कुछ वाक्य अपनी भाषा में बोल सकता/सकती हैं।
ध्वनियों में जोड़–तोड़ कर पाना	6. परिचित शब्दों की प्रथम ध्वनी (इकाई ध्वनी) को पहचान सकता/सकती है।
वर्ण पहचान	7. ग्रेड 1 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित सभी वर्णों और अक्षरों को पहचान लेता/लेती है।
शब्द पहचान/पढ़ना	8. ग्रेड 1 में सिखाये गए वर्णों और अक्षरों (3 तक वर्ण या अक्षरों से बने) से बने परिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है।
मौखिक पठन प्रवाह	9. ग्रेड 1 में सिखाये गए वर्णों और अक्षरों (3 तक वर्ण या अक्षरों से बने) से बने अपरिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है।
पढ़कर समझना	10. 4–5 वाक्यों के सरल पाठ्याशं को शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है। 11. ग्रेड 1 के स्तर के पाठ को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है। 12. पाठ में से स्पष्ट दिखने वाली जानकारी को निकाल या बता सकता है (जैसे– इस तरह के प्रश्नों के जवाब– 'लड़की का नाम क्या है?' जबकि पाठ में लिखा हो– 'लड़की का नाम शांति है)
लेखन	13. सरल परिचित शब्द लिख लेता/लेती है– जिनमें 2–3 अक्षर हों। 14. चित्र/पात्र/घटना का विवरण देने के लिए शब्द लिख सकता/सकती है।

विषय सूची

शब्द		1
वाक्यांश		6
वाक्य		7
पाठ–1	रेलगाड़ी	9
पाठ–2	जलेबी	10
पाठ–3	तितली	11
पाठ–4	भालू की चालाकी	12
पाठ–5	दो चींटियाँ	14
पाठ–6	मेंढक का गाना	16
पाठ–7	भालू और मदारी	18
पाठ–8	शेरू	20
पाठ–9	पतंग और बकरी	22
पाठ–10	रीता की गुड़िया	24
पाठ–11	बड़ा गुब्बारा	26
पाठ–12	झूला	28
अतिरिक्त पाठ – ऊँट पर साँप		30
अतिरिक्त पाठ – हाथी आया गाँव में		32
अतिरिक्त पाठ – रामसहाय की साइकिल		34
अतिरिक्त पाठ – चूहा और हाथी		36
बताओ, मैं कौन?		38

शब्द

चल	घर	फल	मग
बस	एक	कल	अब
जग	नल	नम	कम
कप	हल	मन	कर
छम	डर	दम	सच
माँ	सब	सर	खत
वह	भर	लड़	रथ
छत	ऊँट	पर	हट
रस	रब	चक	टब

गाय	साँप	लाल	बड़ा
हाथ	बाग	पेड़	गोल
घड़ा	दाल	गाँव	हवा
लोग	मजा	फूल	बाल

पान	चार	दादी	भालू
गाना	काला	दाना	भूखा
मेला	झूला	गाड़ी	मेरा
केले	रोटी	पानी	मोटा
छोटा	नीचे	खाना	तारा

ऊपर	बहन	पलक	मगर
रमन	कदम	नकल	मटर
सड़क	रबर	नमक	उछल
कमल	खबर	कमर	पायल

बकरी	उड़ना	खराब	चादर
महीने	किसान	मदारी	बाजार
नाचना	भागना	देखना	सजाना
काटना	सवारी	सियार	दुकान
गुड़िया	घुमाना	कुतिया	साबुन

गुस्सा	बिल्ली	दिल्ली
गन्ना	रस्सी	बंदर
पतंग	सरकस	करतब
कसरत	शलजम	हलचल
झटपट	अदरक	मलमल
अजगर	कटहल	बरसात
अखबार	जानवर	वरदान
उपहार	लटकना	टमाटर
टपकना	नमकीन	कमजोर
समाचार	साइकिल	पायदान

रेलगाड़ी	तितली	कक्षा	मगरमच्छ
खरगोश	जलेबी	दुकानदार	बल्ब
टुकड़ा	अंगीठी	पहिया	छिपकली
खाट	गौरखपुर	बिजली	रफ्तार
दौड़ना	बर्फ	खूँटा	झाड़ियाँ
बल्ला	आँगन	मेहनत	सवारी
बर्फी	भिंडी	अलमारी	मजेदार
अम्मा	नारियल	टोकरी	चौकीदार
बिस्कुट	दरवाजा	अमरूद	बिछावन
अस्पताल	स्कूल	पिल्ला	चूल्हा

वाक्यांश

मेरा घर
उसका घर

मीठा आम
मीठा केला

मोटा हाथी
मोटा भालू

रतन का मकान
पलक का मकान

नानी का हार
दादी की कार

शेर के बच्चे
बन्दर के बच्चे

घर के बाहर
घर के अंदर

पेड़ पर तोता
पेड़ पर कौवा

सड़क पर कार
सड़क पर बस

आसमान में बादल
आसमान में तारे

वाक्य

नानी आम लाई। हमने खूब खाए।

रोटी गोल है। पहिया गोल है। सूरज भी गोल है।

मेरा तोता गाता है। मीठा आम खाता है।

पापा बाजार गए। बाजार से फल लाए।

हाथी पर बंदर बैठा। बैठकर उसको मजा आया।

तालाब में एक मछली है। मछली तैर रही है।

मुझे एक पतंग मिली। मैंने पतंग आसमान में उड़ाई।

यह मेरी साइकिल है। मैं साइकिल से स्कूल जाता हूँ।

मदारी के पास डमरू था। डमरू तेज बजता था।

हमारे पास केले थे। बंदर ने केले छीन लिए।

पाठ-1

रेलगाड़ी

रेलगाड़ी पहुँची गौरखपुर।
उसमें बैठी नेहा, नूपुर।
सीटी बजी और चली रेलगाड़ी।
दौड़कर चढ़ी कुछ और सवारी।
फिर गाड़ी ने पकड़ी रफ्तार।
सबका सफर बना मजेदार।

पाठ-2

जलेबी

दादा जी जलेबी लेकर आए। जलेबी गरम थीं। दादा जी ने सबको जलेबी खाने को दी। सबने मिलकर जलेबी खाई। जलेबी खाकर सबने कहा- वाह!।

पाठ-3

तितली

तितली आई। पूजा उसे पकड़ने दौड़ी। मगर तितली को वह पकड़ नहीं पाई। वहाँ और भी तितलियाँ आ गई। पूजा उनके पीछे-पीछे भागने लगी।

पाठ–4

भालू की चालाकी

भालू गन्ने खाना चाहता था।
उसने जोर से आवाज निकाली
और किसान को डराया।

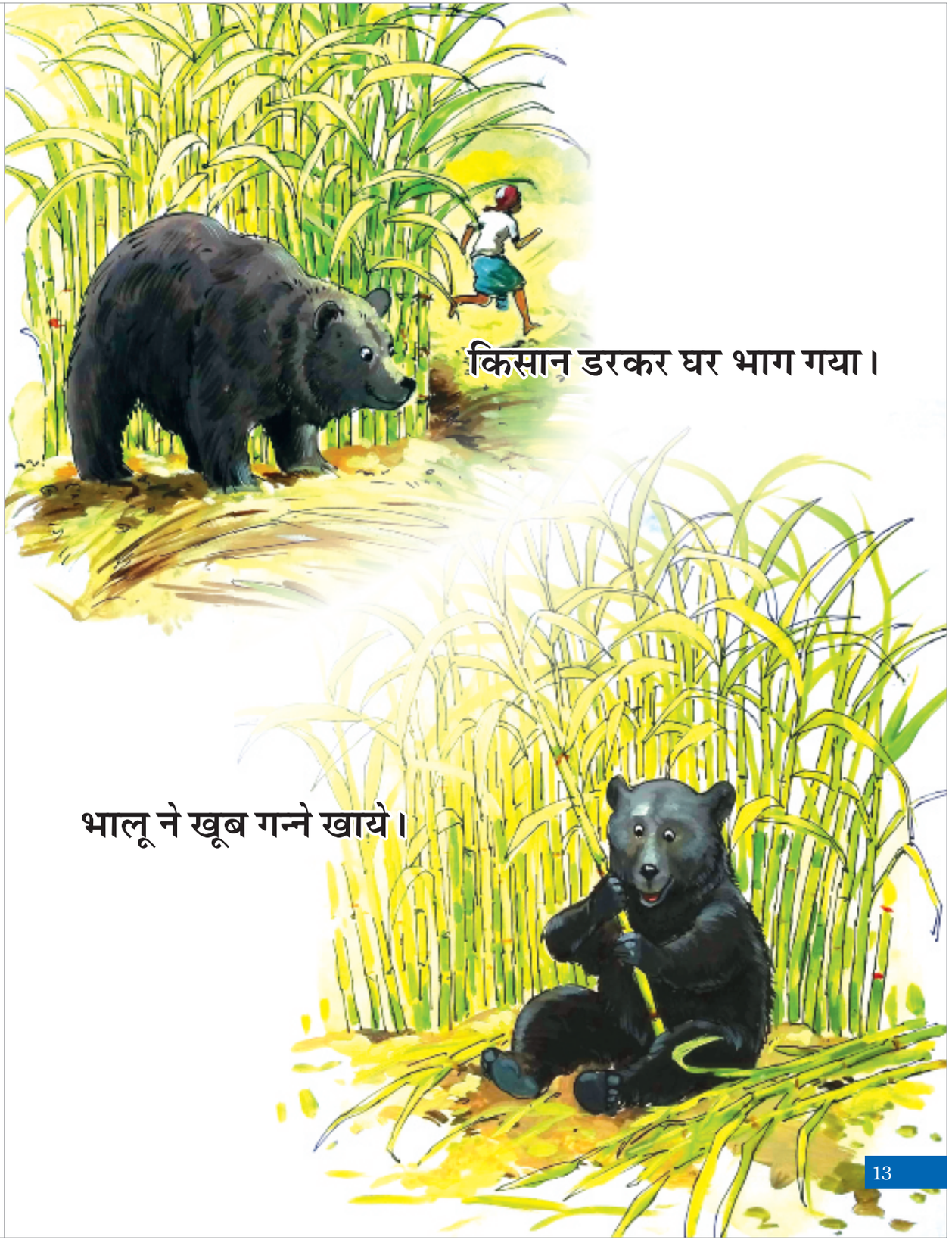

किसान डरकर घर भाग गया।

भालू ने खूब गन्ने खाये।

दो चींटियाँ

एक लाल चींटी थी। एक काली चींटी थी।

लाल चींटी चावल का दाना लाई।
काली चींटी दाना चट कर गई।

काली चींटी चीनी का दाना लाई।
लाल चींटी दाना चट कर गई।
खाना कम था। वे दोनों भूखी रह गईं।

पाठ–6

मेंढक का गाना

मक्खी के पास चॉकलेट थी।
मेंढक चॉकलेट खाना चाहता था।

उसने मक्खी से चॉकलेट माँगी।
मक्खी ने कहा, नहीं दूँगी।

मेंढक गाना गाने लगा–
''मैं किसी को खाऊँगा, खा कर मजे उड़ाऊँगा।''

गाना सुन कर मक्खी डर गई।
उसने चॉकलेट मेंढक को दे दी।

पाठ–7

भालू और मदारी

मदारी के पास एक भालू था।

मदारी गाता था। भालू नाचता था।
मगर कोई देखने नहीं आता।

अब भालू ने भी गाना सीख लिया।
भालू गाना गाता था। मदारी नाचता था।

मदारी का नाच देखने बहुत से लोग आने लगे।

पाठ–8

शेरु

शेरु भूखा था। वह कुछ खाना चाहता था।

उसने एक घर देखा। वह अंदर गया।
वहाँ उसे एक बड़ा सा केक दिखा।

केक पर शेरु लपका।

वह चुपचाप केक खाकर निकल गया।

पाठ–9

पतंग और बकरी

एक पतंग कट कर नीचे आई।

वह बकरी के सींग में अटक गई।
बकरी भागी। बच्चे भी उसके पीछे भागे।

बच्चों के पीछे दादा भागे। दादा के पीछे कुत्ता भागा।

बकरी दादी से टकराई। पतंग उड़ गई।

पाठ–10

रीता की गुड़िया

रीता सो रही थी।
उसकी गुड़िया नीचे गिर गई।

गुड़िया ऊपर जाना चाहती थी।
नीचे एक चूहा था। चूहा बोला, मैं कुछ करता हूँ।

वह ऊपर गया।
उसने रीता के हाथ में गुदगुदी की।

रीता जाग गई। उसने गुड़िया को नीचे देखा।
उसने गुड़िया झट से उठा ली। फिर साथ लेकर सो गयी।

पाठ–11

बड़ा गुब्बारा

गाँव मे मेला लगा था। गोलू मेला देखने गया।

उसने एक बड़ा गुब्बारा खरीदा।
गोलू गुब्बारे के साथ उड़ने लगा।

एक कौआ गुब्बारे से टकरा गया।
गुब्बारा फूट गया।
गोलू नीचे गिरने लगा।

वह सरकस के तम्बू पर गिरा... धड़ाम!
तम्बू मे बैठे जानवर डर कर भागे।

पाठ–12

झूला

गिलहरी और खरगोश ने एक झूला डाला।
दोनों बारी–बारी से झूलते थे।

एक दिन एक बंदर आया।
बंदर झूले पर झूलने लगा। झूला टूट गया।

गिलहरी और खरगोश उदास हो गए। तभी एक हाथी आया।
हाथी, गिलहरी और खरगोश के पास गया।

उसने दोनों को सूँड पर बैठाया।
सूँड पर बिठाकर झूला झुलाया।

ऊँट पर साँप

सपेरा ऊँट गाड़ी से घर लौट रहा था।
चलते-चलते उसकी पिटारी खुल गई।

पिटारी से साँप बाहर निकल आया।
वो ऊँट की पीठ पर जाकर बैठ गया।
ऊँट घबराकर भागने लगा।

गाड़ी पर बैठे लोग नीचे गिरने लगे।
साँप को ऊँट की सवारी पर मजा आने लगा।

ऊँट गाड़ी से अलग हो गया।
उसने उछल-उछल कर साँप को नीचे गिराया।

हाथी आया गाँव में

गाँव में एक हाथी आया। लोग उसके आसपास जमा हो गए। सब हाथी के लिए कुछ ना कुछ लाए थे।

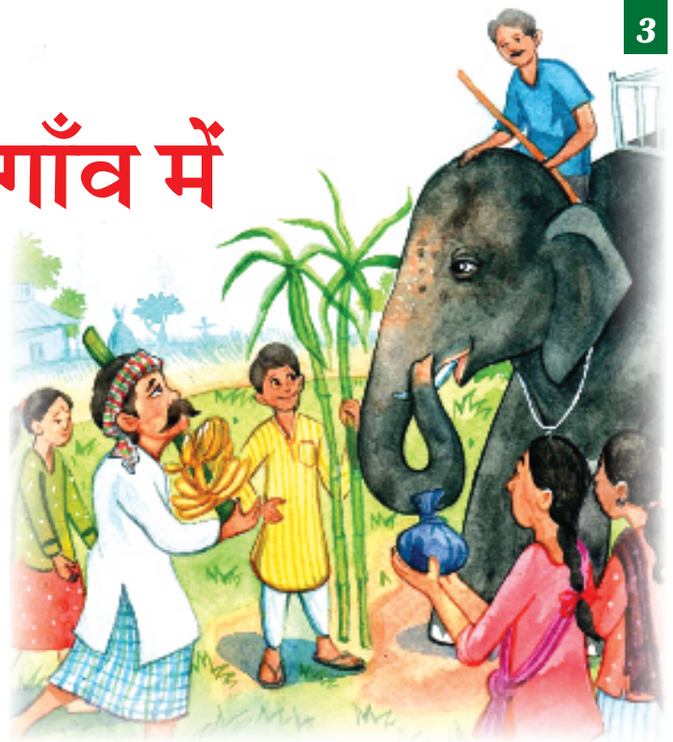

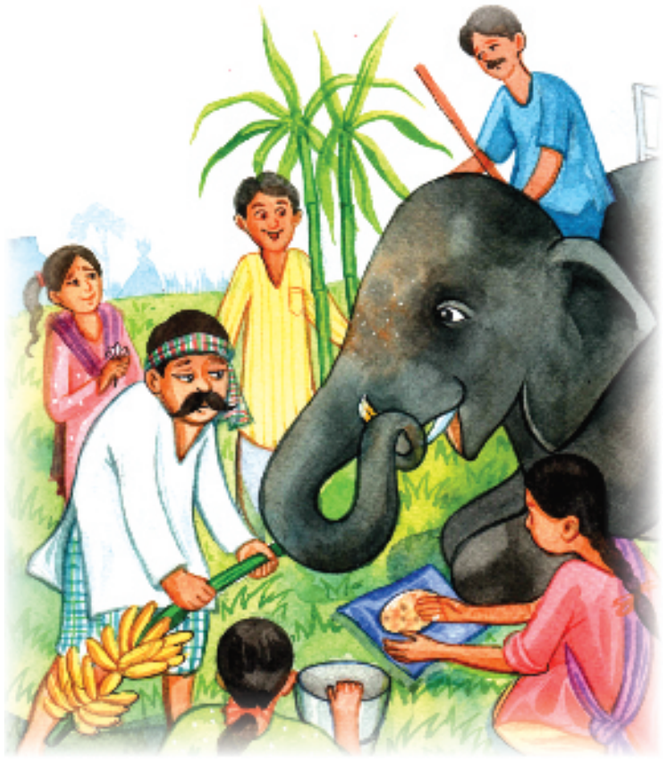

रमन काका ने हाथी को केले दिए। कमला ने खाने को रोटी दी। राजू ने गन्ने दिए। फिर सलमा ने पानी पिलाया।

राधा ने हाथी को एक फूल दिया। फूल पाकर हाथी खुश हो गया।

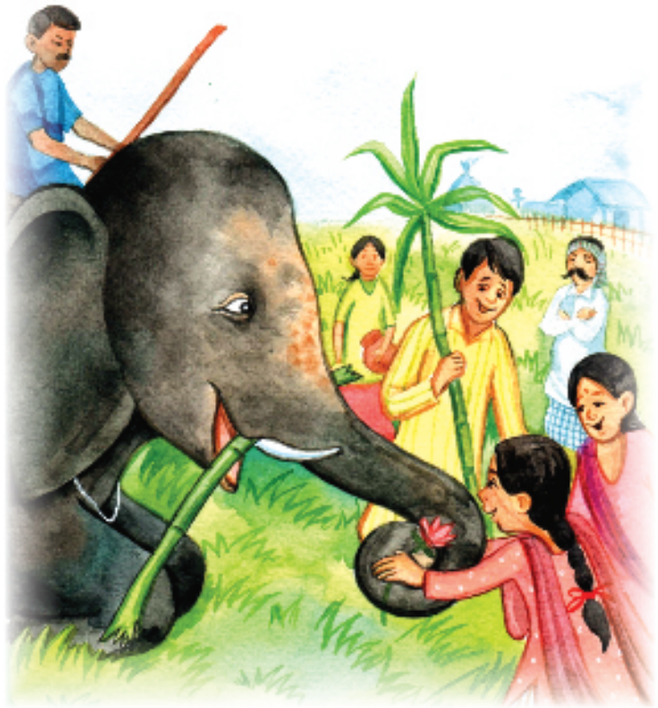

उसने कमला सलमा राजू और राधा को पीठ पर बिठाकर घुमाया।

रामसहाय की साइकिल

रामसहाय साइकिल चला रहा था।
बहुत तेज। वह बाजार से गुजरा।

हलवाई ने उसे रोका। रामसहाय नहीं रुका।

पान वाले ने उसे रोका। रामसहाय नहीं रुका।
लोग सोच रहे थे, रामसहाय रुकता क्यों नहीं?

तभी पान वाले ने देखा, रामसहाय के पिता गुस्से में आ रहे हैं।
पानवाला समझ गया रामसहाय के पिताजी फिर नाराज हैं।

चूहा और हाथी

एक मोटा चूहा अकड़कर घूम रहा था।
तभी उसे एक हाथी मिला।

उसने पहली बार हाथी देखा था।
चूहे ने सोचा इसकी उम्र तीन-चार सौ साल होगी।
तभी इतना बड़ा हो गया।

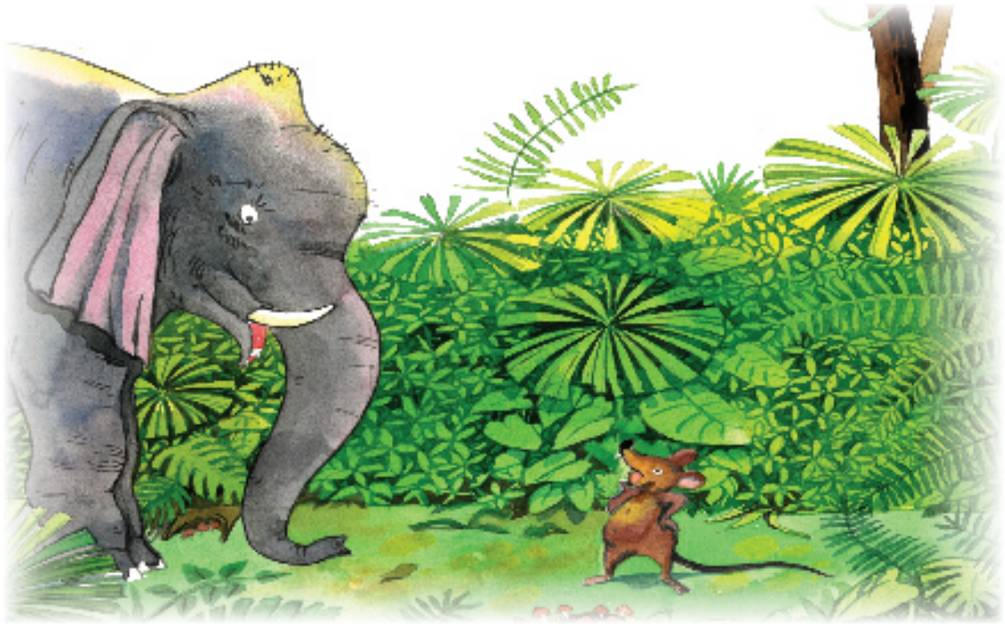

चूहे ने पूछा- ''तुम कितने साल के हो?''
हाथी ने बताया- ''चार महीने।''

चूहा बोला- ''चार का तो मैं भी हूँ।
पर तबीयत खराब रहती है इसलिए छोटा रह गया।''

बताओ, मैं कौन ?

गोल गोल आखों वाला
लंबे लंबे कानों वाला
गाजर खूब खाने वाला
इसका नाम बताओ लाला?

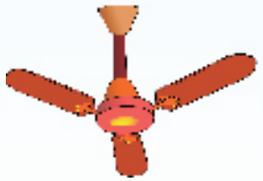

सबकी है ये नकल लगाते।
केला देख मचल ये जाते।
मौका देख झपट ले जाते।

एक से बारह गिनती रहती है,
पैर नहीं फिर भी चलती है

अगर नाक पे मैं चढ़ जाऊं
तो कान पकड़ कर खूब पढ़ाऊँ

गोल गोल घूमता जाऊँ।
ठंडक देना मेरा काम।
गर्मी में आता हूँ काम।

हमने देखा ऐसा बंदर
जो उछले पानी के अंदर

कटोरे पे कटोरा,
बेटा बाप से भी गोरा।

आओ, चित्रों को देखकर एक कहानी बनाएं